DON BOSCO ARTS AND SCIENCE COLLEGE
LIBRARY
ANGADIKADAVU

M 11484

Reg. No. : .....

Name : .....

I Semester B.A./B.Sc./B.Com./B.B.A./B.B.A.T.T.M./B.B.M./B.C.A./B.S.W. Degree (CCSS – Reg./Supple./Improv.) Examination, November 2011
Common Course in Hindi for B.Com./B.B.A./B.B.A. T.T.M./ B.B.M.
1A07-1 HIN : CREATIVE LITERATURE

Time : 3 Hours Max. Weight : 25

निर्देश : किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए : **(Weightage : 4)**

1. साहित्य और समाज नामक निबंध की समीक्षा कीजिए।
2. प्रथम भेंट अंतिम भेंट नामक निबंध में विधवा नारी की दीन दशा का चित्रण किस प्रकार किया गया है ?

निर्देश : किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए : **(Weightage : 4)**

3. फसल नामक कविता का संदेश अपने शब्दों में लिखिए।
4. 'बीस साल बाद' में व्यक्त मोहभंग और उदासीनता पर विचार कीजिए।

निर्देश : किन्हीं **दो** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए : **(Weightage : 2 for each)**

5. मुन्नी ने सहना को रुपये देने से हल्कू को क्यों मना किया ?
6. श्रवण सवर्ण से अवर्ण क्यों बन गया ?
7. यूनुस के, शहनाज की किताबें देखने का क्या नतीजा होता है ?

निर्देश : किन्हीं **तीन** पद्यांशों की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए : **(Weightage : 2 for each)**

8. मानव ! ऐसी भी विरक्ति क्या जीवन के प्रति ?

   आत्मा का अपमान, प्रेत औ छाया से रति !!

   प्रेम अर्चना यही, करें हम मरण को वरण ?

   स्थापित कर कंकाल, भरें जीवन का प्रांगण

P.T.O.

9. हम तो जमीन ही तैयार कर पायेंगे

क्रान्तिबीज बोने कुछ बिरले ही आयेंगे ।

हरा-भरा वही करेंगे मेरे श्रम को

सिलसिला मिलेगा आगे मेरे क्रम को ।

10. समय बहुत कम है तुम्हारे पास

आचला पानी ढहा आ रहा अकास

शायद ! कार ले कोई पहचाना ऊपर से देख कर

11. क्या आज़ादी सिर्फ तीन थके हुए रंगों का नाम है

जिन्हें एक पहिया ढोता है

या इसका कोई खास मतलब होता है ?

12. इसके बिना जिवन कुछ इतना कठिन है

कि फ़र्क जल्दी समझ बें नहीं आता -

यह दुर्दिन है या सुदिन है ।

निर्देश : किन्हीं **दो** प्रशनों की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए : **(Weightage : 2 for each)**

13. किसी अनुपस्थित सज्जन की अकारण निन्दा करना शिष्टता के विरुद्ध है, क्योंकि पर-निन्दक को सम्यसमाज में बहुधा अनादर की दृष्टि से देखते हैं ।

14. स्त्री जब किसी साधना को अपना स्वभाव और किसी सत्य को अपनी आत्मा बना लेती है, तब पुरुष अपने लिए न महत्व का विषय रह जाता है, न भय का कारण; इस सत्य को मान लेना पुरुष के लिए कभी संभव नहीं हो सका ।

15. अब भैयाजी को बरदाश्त नहीं हुआ । उन्होंने लड़के को डाँटा, ''तू मूर्ख है । इसी वक्त यहाँ से उठ और कमरे में जाकर उस कचरे को पढ़ जिसे तू पोलिटिकल साइंस '' कहता है ।

16. ऐसे लोग पहले तिरस्कृत हु, फिर पूजित हुए ।

संसार के महापुरुषों के चरित्र में यही देखने में आता है।

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण पढकर प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखिए : **(Weightage : 1 for each bunch)**

17. शिक्षितों के समाज में मत भेद होने के अनेक कारण अपस्थित होते हैं। इसलिए जब किसी के मत का खंडन करने का मौका आवे, तब बहुत ही नम्रतापूर्वक और क्षमा प्रार्थना करके उस मत का खंडन करे, और खंडन भी ऐसी चतुराई से किया जाए कि विरुद्ध मतवाले को बुरा न लगे।

अ) प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ का है ?

आ) इसका लेखक कौन है ?

इ) लेखक के विचार में दूसरों के मत का खंडन कै से करना है ?

ई) विरुद्ध मतवाले को बुरा न लगने के लिए क्या करना चाहिए?

18. भैयाजी खुश थे। कहने लगे , देखा तुमने ? राजनीतिक ज्ञान इसे कहते हैं। अब अपने घर में सब पार्टियाँ हो गई।

अ) यह अवतरण किस निबंध का है ?

आ) इसका लेखक कौन है ?

इ) राजनीतिक ज्ञान किसे कहते हैं ?

ई) यहाँ किस पर व्यंग्य करते हैं ?

19. शव को दें हम रंग, आदर मानव का

मानव को हम कुत्सित चित्र बना दें शव का ।

गत युग के मृत आदर्शों के ताज मनोहर

मानव के मोहांध हृदय में किए हुए घर ;

अ) यह पद्यांश किस कविता से उद्घृत है ?

आ) इसके रचयिता कौन है ?

इ) शव को क्या देने की बात कही गयी है ?

ई) मानव को यहाँ क्या बना देना है ?